आखिरत के लिये तैयार रहना चाहिये

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोट: आप से दरखास्त है की इसे
भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

• आखिरत के सफर लिये तैय्यारी

अल्लामा इबनुल जौजी(रह) फरमाते हे हर अकलमंद के लिये ज़रूरी हे कि सफर का सामान तैयार रखे क्युकी उसे ये खबर नहीं कि इसके पास मौत का पैगाम कब आ-जाये और वो इस्को नहीं जानता हे कि कब बुला लिया जाये, मैने बहुत से लोगों को देखा हे कि जवानी ने उनको धोके मे मुबतला रखा हे और वो अपने साथीयों की मौत को भूल गये और लंबी लंबी अरज़ुवो ने गफलत मे डाल दिया, इसलिये अक्सर ऐसा होता हे कि अल्लाह को ना पहचान्ने वाला जो आलिम होता हे वह अपने जी मे ये सोचता हे कि आज मे इल्म मे मशगूल रहू अमल बाद मे कर लूंगा,
फिर राहत का बहाना करके खताओं मे सुस्ती बरतता हे, सच्ची तौबा को टालता रहता हे, गीबत करने और इसके सुनने से बचता नहीं हे और शुबा की आमदानी से परहेज नहीं करता, फिर ये उम्मीद करता हे कि आइन्दा की ज़िन्दगी मे अमल करके

सारी खताओं को मिटा दूंगा और इस बात से गाफिल रहता हे कि मौत अचानक ही आती हे,
तो समझदार वो ही हे जो हर मौका के वाजिबात को अदा करता रहता हे, ताकी अगर अचानक मौत आ-जाये तो उसे तैयार पाये और अगर अपनी आरजुओ के मुताबिक लंबी उमर पाये तो नेकियों मे इजाफा करता रहे.

• आखिरत के काम

हामिद लफ्फाफ(रह) ने जुम्मा की नमाज के लिये जाना चाहा हाला के उनका गधा गुम हो गया था, और उनका आटा चक्की मे था, और उनकी जमीन की सिचाई का वकत आ-गया था उन्होने अपने दिल मे गौर किया और कहा अगर मे जुम्मा की नमाज के वास्ते जाता हू तो मेरे ये सब काम छूट जाते हे, फिर उन्होने कहा आखिरत का काम बेहतर हे, चुनांचे वो जुम्मा की नमाज के लिये चले गये.
जब वापस आये तो अपनी जमीन को पानी से भरा हुवा पाया, और गधे को तबेले मे पाया, और अपनी बीबी को रोटी पकाते पाया, चुनांचे उन्होने अपनी बीबी से पूछा, बीवी ने उनसे कहा गधे के तबेले मे आने की सुरत ये हुई कि मेने दरवाजे पर खडखडाहट सुनी तो बाहर निकली तो क्या देखती हू कि गधा

दोडते हुवे आ-रहा हे और शेर उस्के पीछे हे जब मेने दरवाजा खोला तो गधा घर मे दाखिल हो गया, और हमारे पडोसी ने अपनी जमीन को सीचना चाहा तो इत्तीफाक से वो सो गया और पानी जारी रहा और उसने हमारी जमीन को भी पानी से भर दिया, और आटा इस तरह आया कि हमारे पडोसी का आटा भी चक्की मे था तो वो उसको लेने गया लेकिन गलती से वो हमारी गुनी उठा लाया, जब अपने घर पहूचा तो उसने पहचाना और उसको हमारे हवाले किया. उस्के बाद हमीद लफ्फाफ(रह) ने अपना सर आसमान की तरफ उठया और कहा ए मेरे रब मे ने तेरा एक हुक्म पूरा किया और तुने मेरी तीन हाजत को पुरा किया तेरा शुकर हे. (कलयूबी)

• अनोखी ख्वाहीश

हजरत हफसा(रदी) फरमाती हे मेने अपने वालिद हजरत उमर(रदी) को फरमाते हुए सुना ए अल्लाह मुझे अपने रास्ते मे शहादत नसीब फरमा और अपने नबी करीमﷺ के शहर मे मौत अता कर मेने कहा कि ये कहा हो सकता हे फरमाया अल्लाह जब चाहे हो सकता हे.

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.